**Wagons for Export of Eggs**

**1065. Shri Ramam:** Will the Minister of Railways be pleased to state.

(a) the number of wagons supplied for the export of duck eggs from the districts of Krishna and West Godavary, Andhra Pradesh, during the years 1954, 1955, 1956 and 1957; and

(b) whether any complaints have been received regarding the lack of adequate supply of wagons for exporting these eggs in season?

**The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan):** (a) Duck eggs in baskets are not offered for booking in wagon or van loads, but only in small lots by passenger trains. Details of traffic booked by passenger trains during the years 1954 to 1957 from stations on the Krishna and West Godavari Districts are indicated in the statement laid on the Table of the House. [*See* Appendix III, annexure No. 77.]

(b) No, but complaints have been received insisting on the clearance of the entire traffic of duck egg baskets by Mail and Express trains, which is not feasible due to limited luggage when accommodation available on such trains.

**कानपुर-कासगंज पैसेंजर गाड़ी का अनवरगंज स्टेशन पर रोका जाना**

१०६६. **श्री जगदीश अवस्थी :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २८ जून, १९५८ को पूर्वोत्तर रेलवे पर अनवरगंज के समीप कानपुर-कासगंज पैसेंजर गाड़ी रोकी गई थी

(ख) यदि हां, तो कितनी देर तक और उसका प्रयोजन क्या था ; और

(ग) क्या इस के कारण यात्रियों को जो असुविधा हुई थी उसकी जांच की गई ?

**रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां)** (क) जी हां ।

(ख) कानपुर-अनवरगंज स्टेशन पर गाड़ी ६३ मिनट तक रुकी रही जिसके कारण इस प्रकार हैं :—

(१) आर० एम० एस० के कर्मचारी अनधिकृत रूप से एक दूसरे दर्जे के डिब्बे में बैठ गये जब कि उनके लिये एक तीसरे दर्जे का डिब्बा अलग रखा गया था और रेलवे कर्मचारियों के कहने पर उन्हों ने दूसरे दर्जे के डिब्बे को खाली करने से इनकार किया ।

(२) नं० ३१ अप कटिहार-कानपुर सवारी गाड़ी लेट चल रही थी, उससे मेल लेने के लिये रेल कर्मचारियों ने नं० १७ अप सवारी गाड़ी को अनावश्यक रूप से रोक लिया ।

(ग) जी हां, जहां तक ३१ अप सवारी गाड़ी का मेल लेने के लिये अनावश्यक रूप से गाड़ी को रोकने का सवाल है उस सम्बन्ध में सम्बन्धित कर्मचारियों के खिलाफ उपयुक्त कार्यवाही की गयी है । आर० एम० एस० कर्मचारियों के कारण जो गाड़ी को रुकना पड़ा, उसकी रिपोर्ट डाक विभाग के अधिकारियों से की गयी है ।

**कानपुर-कासगंज पैसेंजर गाड़ी का रोका जाना**

१०६७. **श्री जगदीश अवस्थी :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ४ जुलाई, १९५८ को १७ अप कानपुर-कासगंज पैसेंजर गाड़ी को पूर्वोत्तर रेलवे के अनवरगंज स्टेशन के केबिन के पास रोका गया था ;

(ख) यदि हां, तो कितनी देर तक और उसका प्रयोजन क्या था ; और

(ग) क्या इसके कारणों की जांच की गई थी?